

14/5
24

कोई उपाय नहीं। सामल एवं बागी
एक उनसे बड़ी वही बार-बार आया
आवाज ही। कोई हाथि (जवाब नहीं)
आया। ना ही कोई उपाय हुआ। भय
का वा वादी उपाय हाथि व उपाय
पैरवी में आदिप दिन जवा है। प्रकृत
प्रकृत सुभा हाथि आदिप लपट है।

उपलब्धिकांरी
धौ. (11/11)